

# श्री संत तुकाविप्र रचीत हरीपाठ

देवा विष्णुला हे प्रिती । तुज नमन विनंती ।  
नित्य नेम नामावळी । हरी विष्णुल धूमाळी ।  
ऐसा गजर आभंग । सर्व काळ संत संग ।  
तुकाविप्र म्हणे नेम । सर्वा अंगी सत्य प्रेम ।

सांगितली ऐसी वाट । नाम कथा वैकुंठ ।  
जनी वनी कोठे वसा । हरी नाम लावा धोसा ।  
विप्र आज्ञा ऐसी आहे । न सोडावी भक्ती सोये ।  
तुका चाले तया पंथे । विप्र आज्ञेच्या सामर्थ्ये

विप्र आज्ञेचा प्रसाद । नाम किर्तनी प्रसिद्ध ।  
ब्रह्मानंद सर्वकाळ । हा किर्तन कल्लोळ ।  
नित्य संत समागम । भक्ती सर्वांगासी प्रेम ।  
तुकाविप्र सत्ता ऐसी । नाम गावे दिवा निशी ।

सेवा सदगुरुची सार । नामकथा निरंतर ।  
भाग्यवंता घडे ऐसे । येरा वर्म कळे कैसे ।  
गुरुकृपा जयावरी । मुखी नाम त्याचे हरी ।  
नामधार धन्य एक सर्व तयापाशी सूख ।

नित्य आमुचा हा नेम । हरी नाम गर्जावे ।  
संत वरणी लौळावे । भक्ती भावे सर्वदा ।  
संत बसावै संगती । क्षमा दया युक्त शांती ।  
गुरु आज्ञेचे हे धडे । सत्य चालती उघडे ।  
तुकाविप्र म्हणे गडे । नित्य नाम हे रोकडे ।

नाम गाती तया देव पालवतो ।  
चला रे म्हणतौ वैकुंठासी ।  
वाटा देईन मी आपुल्या सुखाचा ।  
राणा पंढरीचा वदे ऐसा ।  
तुकाविप्र म्हणे भाव भक्ती युक्त ।  
नाम गावे सत्य सर्व काळ ।

माझे गाती नाम । तया मागे पुढे  
ब्रह्म उभे धेंडे । आ ब्रह्मे मी ।  
भय यिंता नाही । आवधे माझे मी ।  
भक्त भोळे नामी । वीतरागी ।  
विश्वरुपे मी ची । सर्वांगे नटलो ।  
विश्वात्मा जाहलो । भक्त देही ।  
तुकाविप्र म्हणे । विष्णुल गर्जना  
विष्णुल समता । आंगी येते ।

हरी नाम गर्जे तयाला । भेटी सहज विष्णुल ।

सर्व पातकांचा भला | ठाव क्षणेचा पुसीला |  
पुण्ये परायण जाले | उपकारासी लागले |  
पाप कैसे लिंपे त्यासी | नाम जयाचे वाणीसी  
तुकाविप्र हरी म्हणे | बुद्धी पुण्ये परायण |

नाम लागता वाचेसी | पाप बुद्धी कैसी तयाची  
वाल्या कोळीयासी ऐसे | जाले होय सर्वा तैसे |  
थोर थोर संत होती | कैसे पापते नेणती |  
ऐसा आता कोण आहे | कदा कोणा कळो न ये |  
बहु रत्न वसुंधरा | तुकाविप्र अर्थ खरा |

पुण्य बुद्धी होता सिद्धी | सर्व तोच कृपानिधी |  
नाम वाचे हरी जया | अंगी होणे देव तया |  
देव कृपेचा सागर | नाम गर्जताची नर |  
तया पाहती जे डोळा | त्यासी पापाचा कंटाळा |  
तुकाविप्र पुण्य हरी | नाम गर्जना पदरी |

नाम गर्जना करीता | हरे व्यथा भयाची |  
ऐसे साधन सुगम | हरी नाम कलीत |  
सर्व प्रकारे साधन | नाम धन्य हरीचे |  
जाण आत्मतत्त्वी जाहले | ते लागले भजना |  
तुकाविप्र म्हणे सार | नाम थोर हरीचे |

नाम उल्हासे गर्जावे | प्रीती भावे हरीचे |  
वेद वचन या रीती | धरा चित्ती विड्हुल |  
आणा तनु सार्थकासी | ऋषीकेशी या नामे |  
फार सांगणे ते काय | सत्य होय सुचना |  
तुकाविप्र म्हणे थोरी | नामे हरी सर्वत्रा |

थोर नाम देवाहुन प्रमाण |  
साक्षी या पुराण श्रूती |  
राम नामे शिला | तरत्या जाहल्या |  
सेतू उलंघला | महार्णव |  
रामाने टाकली | शिला ती बुडाली |  
प्रसिद्ध जाहली | नाम रुपीया  
तुकाविप्र म्हणे | नामाची स्मरणे  
भवाढी तरणे | सोपे आहे |

नाम गावे हेची सार | बहु न लगे विचार |  
सांडोनिया भक्ती भाव | ज्ञान काय ते बोलावे |  
सर्व शास्त्राचे मंथन | मुख्य नाम संकीर्तन |  
वेद श्रुती गर्भ नाम | कलयुगी मुख्य धर्म |  
तुकाविप्र म्हणे सत्य | सार नाम कथा नित्य |

नाम विठ्ठल रुख्मीणी | सार कीर्तन रंगणी |  
भौळया भाविकाचे | अंगी धरोनिया नेम  
नाम गावे हेच प्रीती | वर्म प्रेमळ जाणती |  
बोल भांड चाट लोका | नाम कळेची ना मुख्या  
तुकाविप्र नामधार | नाचे प्रीती निरंतर |

नाम गर्जना हरी करा | कोटी कुळे सत्य उद्धरा |  
विनती ऐसी भाविका खरी | नाम किर्तनी घ्या श्रीहरी |  
सर्व साधनी शीण वाउगा | शेवटी दिसै व्यर्थ दगा |  
म्हणुनी आता किर्तनी बसा | प्रगटवी सभे संत दिसा |  
विप्र आवडी किर्तनी तुका | लाभ हा आवडी कली सेवटी निका |

आहे वेदांत सनद | नाम गजावे प्रसिद्ध  
नामे आधी व्याधी पीडा | होती सर्वस्वही झाडा |  
शुद्ध पुण्याचा पुतळा | नाम गर्जे नर भोळा |  
वेद श्रुती मते नाम | कलीयुगी मुख्य धर्म |  
तुकाविप्र जन्मांतरे | वर्म जाणीतले खरे |

गुरु कृपे ऐसे काये | त्रिभवनी सार आहे |  
सर्व सारामाजी सत्य | सार किर्तन हे नित्य |  
गुरुकृपेने दावीले | नाम किर्तन हे भले |  
आता भली गोष्ट जाली | सार वस्तु हाता आली |  
तुकाविप्र म्हणे सार | भाग्य वस्तु लाभ थोर |  
कलीयुगी नाम | श्री हरी हे सार  
काय ते पामर | जाणतील |  
हीन दीन ते हो | किर्ती ध्वज झाले |  
आवडे गर्जले | नाम हरी |  
आजानीया कीर्ती | तयाच्या चालती |  
धन्य ते या क्षीती | जन्मा आले |  
तुकाविप्र म्हणे | भले रे गजरे |  
नाम हरी खरे | सार एक |

हरीनामाचा धीग भला गाजे |  
उभा विठ्ठल रंगी तया साजे |  
श्रोते वक्ते नामची हरी गर्जा |  
आनायासे प्रसिद्ध किर्ती ध्वजा |  
सर्व कथेचे सार हरी नाम |  
सत्य गर्जा भरोनीया अंगी प्रेम |  
तुकाविप्र अभंग नाम कथा |  
श्रोता सदगुरु नाम हरी वक्ता

स्मारण श्री हरी | अभंग चांगले |  
प्रमाण कळले | प्रचीतीने |

सार भाग तो | स्मरण कलीत |  
विड्हुल विख्यात | रुखीणी हे |  
भावार्थ गर्जावे | श्री हरी हे नाम |  
भरोनिया प्रेम | सर्वांगी |  
तुकाविप्र म्हणे | उघड स्मरण |  
विड्हुल प्रमाण | कलीयुगी |

धन्य श्रोते वक्ते थोर | नाम करीती गजर |  
त्रिभुवनी सार नाम | भक्ती भाव युक्त प्रेम |  
क्षमा दया युक्त शांती | शुद्ध विज्ञान विरक्ती |  
धन्य ऐसे श्रोते वक्ते | नाम किर्तनी भक्ते |  
तुकाविप्र धन्य घडी | नाम गर्जना आवडी |

हरी किर्तनी अपीती | त्याची वाईट संगती |  
ज्याची आवडी किर्तनी | तोची धन्य त्रीभुवनी |  
तया संगती बसता | सर्व सुखे येती हाता |  
ऐसे वेदान्ती प्रमाण | सार किर्तन रंगा |  
तुकाविप्र म्हणे हरी | कथा संत संग खरी |

गर्जता हरी आवडी भले | सत्य सार्थका तेची लागले |  
येर नासले सांगणे कीती | असुनिया घरी संपत्ती  
नाम गर्जना कीर्तीस प्रमाण | सर्व ही आले हे यि की प्रमाण  
तुर्त घडो नाम गर्जनी | धन्य धन्य तेची जनी |  
नाम हे तुकाविप्र गर्जता | सर्व सुकृते जोडली आता |

तुर्त काळ काये चोखा | श्रोता वक्ता भोळा निका |  
लोभ तुर्त निरुपम | सर्वांगी शुद्ध प्रेम |  
वाचे नाम हाते टाळी | सर्व पातकाची होळी |  
सुख संपन्न राहटी | नाचू किर्तन वैकुठी |  
तुकाविप्र म्हणे हेची | तुर्त घडी सोनियाची |

देव कोणत्याही प्रकारे गावा कलीत |  
गाणे पहाणे नाचणे | देणे घेणे विड्हुल |  
ऐसा प्रसंग सर्वदा | ब्रह्मानंदा भरीत  
देव अंगेचि तो नाचे | हरी वाचे प्रसिद्ध |  
तुकाविप्र घडी भली | श्री विड्हुली सर्वदा |

भाव युक्त नाम गाणे | हेची देणे देवाचे |  
शांती क्षमाशील वृत्ती | हेच प्रीती विड्हुली |  
ऐसे देणे याची वाट | या विराट देवाची |  
देवे दिघली देणगी | ते का उगी राहील |  
तुकाविप्र देवे देणे | नाम गाणे विड्हुल |

भले प्रारब्धाचे गाढे | नामधार ते निघडे |  
माता पिता त्यांचे धन्य | नामी रंगले अनन्य  
कूळ पवित्र तयाचे | नाम विडुल वाचे |  
पुरा ब्रह्मची तो होये | हरी हरी प्रीती गाये |  
तुकाविप्र म्हणे नामे | धन्य गाती युक्त प्रेमे |

काय करु देवा | बहुत ज्ञानासी  
अंतर पायासी | पडे तुझ्या |  
आम्हा पुरे ज्ञान | वित्पती बाजार |  
विडुल सदर | नाम हरी |  
नाम हरी वाचे | विडुल प्रमाण |  
नका आम्हा सीण | वाउगा हा |  
तुकाविप्र म्हणे | नाम जिव्हेवरी |  
सर्व काळ हरी | नांदो आता |

ब्रह्मज्ञान सांगताती | आशा पाशी गुंतलेली |  
काय तया ब्रह्मज्ञान | भले नाम संकीर्तन |  
तारु सर्वत्रासी नाम | हरी विडुल उत्तम |  
ब्रह्मज्ञानी धन लोभी | तुर्त फजीती हे उभी |  
तुकाविप्र निर्लेभता | नित्य नेम नाम कथा |

श्रमु नका उगा नाम गा श्रीहरी |  
सर्व दुरीते ती सहजच दुरी |  
हीत जाणोनी सर्वही जगा |  
नाम श्रीहरी हे करा कृपा |  
चावटी नका वाउगी आता |  
बसुनिया गावे नाम गाथा |  
सार सांगणे नामची हरी |  
कलीत नामसार गोष्ट खरी |  
विप्र तुकीया सुचना भली |  
नामची गावे सर्वदा कली |

काय पाहता गा नाम | अंगी प्रेम भरेनी |  
काळ वाउगा जाईल | काय बोल कोणाचा |  
हीत ज्याचे त्याचे हाती | काय बौल कोणाची |  
शुद्ध कमाई आपुली | नाम कली गाणे हे |  
तुकाविप्र हरी नाम | युक्त प्रेम सर्वदा |

आगळा प्रताप | विडुल नामाचा |  
कलीयुगी साचा | नाम मंत्र |  
न करीता योग | याग तीर्थ वृत |  
जाहला बहुत | कीर्ती ध्वज |  
ऐसा काही नाम | प्रताप देखील |  
ब्रह्मादी देवाला | अगोचर |  
तुकाविप्र म्हणे | विडुल स्मरती  
पावन ते होती | त्रिजगासी |

नाम गर्जा वाट चाली | यज्ञ पाउला पाउली |  
पदोपदी करा जोडी | विडुल नाम आवडी |  
जोडी करा देवराणा | पुसू नका आता कोणा |  
ऐसे नाही दुजे सार | सर्व पाहिला विचार |  
तुकाविप्र म्हणे भले | वैकुंठासी चाली गेले |

नाम गर्जना विडुल | कोटी यज्ञाहन भले |  
ऐसे प्रमाण पदरी | नाम घातले श्रीहरी  
जातो स भाग्ये त्या गूणे | ऐसे जाले गुरु देणे |  
तुकाविप्र आज्ञे ऐसे | सर्व काम नाम धौसे |

यज्ञ पाउला पाउली | ऐसे कली नाम हे |  
लाभ येण्याच्या साथीला | गा विडुला आता की |  
लाभ घेण्या गाणी याचा | घ्यावा साचा सर्वानी |  
तीर्थी गेल्या तीर्थ विधी | कीजे शुद्ध सर्वस्वी |  
तुकाविप्र म्हणे तैसा | लावा धौसा नामाचा |

ज्ञान बाधोनी ठेवावे | भक्त भावे सार्थक |  
येर बोलाचे बोभाट | नाम वाट चांगली |  
धन्ये स्मरण प्रताप | माय बाप सदगुरु |  
भाव भक्ती वीत राग | संत संग विडुल |  
तुकाविप्र नुरी घडी | नाम सर्वथा जोडी |

ऐकारे बापहो | करु नका गुल |  
स्मरणी विडुल | प्रीती करा |  
इतर भाषण | तारीना तुम्हासी |  
न करा वाचेशी | उगा सीण |  
क्षण भर तरी | स्मरण करावे |  
शुद्ध भक्ती भावे | श्री हरीचे |  
ऐसे वेद श्रुती | शास्त्रांचे प्रमाण |  
श्री हरी स्मरण | सार आहे |  
तुकाविप्र म्हणे | करावे आवडीने |  
नाम संकीर्तन | सार एक |

भुलले उगी | नासीवंता काये |  
धरा काही सोय | तरायाची |  
वृत्तीसाठी कीर्ती | भांडभांडू मेले |  
सार्थका न आले | परी कोणी |  
उगाची तो सीण | प्रत्यक्ष दिसतो |  
कोण उमजतो नर | ऐसा |  
तुकाविप्र म्हणे | हरी मंत्र सार |  
वेदान्त विचार | ऐसा आहे |

आला प्रेम धन लोट | प्रीती भेट विडुली |  
भार उगरणी प्रीती | सत्संगती कीर्तन |  
तुर्त लाभ तैसा खरा | हा उदारा प्रमाण |  
भली उडी कथा रंगी | कलयुगी विडुल |  
तुकाविप्र म्हणे सार | नामधार कलीत |

देवाजीच्या दासा चिंता | भये तरी काय आता |  
भय नाही चिंता आस | सर्व विषयी उदास |  
ऐसे जातीवंत भोळे | दास देवाचे आगळे |  
सर्व काळ सुखरूप | ब्रीद भुषण प्रताप |  
तुकाविप्र देव भक्त | भय चिंता विरहित,

धन्य देवाचे हे दास | चिंता नाही भय आस,  
सुखरूप सर्व काळ | भक्त सर्वांगे निर्मळ |  
देव भक्त समभाव, येक दुजेपण सर्व |  
काय कोणाची गणना | देव भक्त येकपणा |  
तुकाविप्र सारा येक | भाव पदार्थ अनेक |

सावित्रीने वड | प्रसिद्ध पुजीला |  
आम्ही या विडुला | तया भावे |  
आमचे कुळीचा | कुळधर्म हाची |  
विडुल येकची | नाम कथा |  
प्रमाण आमुचे | दैवत हे कुळ |  
विडुल निर्मळ | त्रिमुर्ती हे |  
तुकाविप्र म्हणे | भजावे पुजावे |  
आम्ही भक्तीभावे | विठोबासी |

सुख सम्पन्न नांदणे | हे वि देवाजीचे देणे |  
सर्व काळ ब्रह्मानंद | वाचे गोविंद गोविंद |  
जनी वनी समभाव | श्रोता वक्ता गुरुदेव |  
देणे गुरुचे समर्थ | सर्व काळ सर्व अर्थ |  
तुकाविप्र म्हणे सत्य | सुखरूप नेम नित्य |

नित्य कीर्तन प्रसंग | जनी वनी संतसंग |  
हाच आम्हा सर्वकाळ | सुख स्वानंद सुकाळ |  
याची सुखे संतोषलो | नाम किर्तनी बैसलो |  
देव भक्त नित्यावळी | हरि कीर्तन कल्लोळी |  
तुकाविप्र सर्व घडी | सत्य सोन्याची उघडी |

नाम धाराचे संगती | सुख पावलो विश्रांती |  
ताप सकळीक निवाला | प्रेम आले सर्वांगाला |  
वित्त लागे नाचाया | नाम धारे केली दया |  
आता सभाग्ये जाहालो | संत संगती बैसलो |  
तुकाविप्र संतापायी | हित सर्व वार्ता काही |

हरी मंत्र नव्हे | पोरासोरी खेळ |  
ॐकाराचे मूळ हरीमंत्र |  
प्रमाण मानाहो | संथेचा शेवट |  
किर्तन वैकुंठ | हरी नाम |  
हरी हरी काये | म्हणाल किर्तन |  
सारहे साधन | सर्वत्रासी |  
हरीनामेवीण | ॐकार हा थोटा |  
मत्र हा मोटा | सर्वा मध्ये |  
तुकाविप्र म्हणे | हरी नाम गर्जा |  
कीर्तीची या धजा | त्रिभुवनी |

नामाचा प्रताप | अवतरले वेद |  
कराया आनंद | भूदेवासी ||  
ऋचा शत कोटी | ऋग, येजू, साम |  
वेदी या निस्सीम आहेतची ||  
प्रेम भक्ती भावे | केला हा तारवा ||  
उद्घाराया सर्व | नामदेवे |  
तुकाविप्र म्हणे | नामयाची साक्षी |  
उद्घार प्रत्यक्ष | होत आहे ||

विडुल आभंग | नाममृत गोडी |  
घेवोनी आवडी | डोलताती |  
तयासी वंदीती | देव ऋषीवर |  
स्वर्गाचे पीतर | सर्व गण |  
म्हणोनी गजावे | नाम हे विडुल |  
प्रसिद्ध अमोल | सर्वतारु |  
कोणत्याही वर्णी | कोणीही गर्जता |  
विडुल समता | तेची तया |  
तुकाविप्र नाम | विडुल जीवन |  
आभंग किर्तन | नित्यनेम |

न लगे बहुत | देई कृपादान |  
आभंग नमन | विनंती हे |  
सत्य आता एक | कृपाची पाहिजे |  
विठे महाराजे | करावी ते |  
सर्वही प्रकारे | सहज निवालो |  
कृपेचा भुकेला | तुझ्या एक |  
सर्व अनावडी | सत्यपणे जाली |  
कृपेची लागली | आस तुझ्या |  
तुकाविप्र आर्त | पुवावे प्रमाण |  
आता बहु सीण | नसावाकी ||

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय |  
ॐ तत्सत श्री कृष्णार्प नमस्तू ||  
ॐ शांती | शांती || शांती ||||

